15 सपना सच हो गया

एक दिन प्रभा स्कूल में अखबार पढ़ रही थी। पास में बालक–बालिकाएँ भी पढ़ रहे थे। गुरुजी भी वहीं थे।

पढ़ते–पढ़ते प्रभा की आँखें भर आई। टप–टप, टप–टप आँसू गिरने लगे।

"क्यों क्या बात है प्रभा?" पास में बैठी सहेली ने पूछा।

"प्रभा क्यों रो रही हो?" गुरुजी ने पूछा। प्रभा कुछ नहीं बोली। बैसाखी उठाकर चल दी।

गुरुजी की नजर उस अखबार पर पड़ी, जिसे प्रभा पढ़ रही थी। उसमें कृत्रिम टाँगों का चित्र छपा था।

गुरुजी को समझने में देर नहीं लगी। प्रभा भी कृत्रिम टाँग लगवाना चाहती है ,पर उसके माँ–बाप गरीब हैं।

गुरुजी ने सोचा, प्रभा के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए। उन्हें तभी याद आया कि जयपुर में महावीर विकलांग समिति ऐसे जरूरत वालों की सेवा करती है। गुरुजी ने तय किया कि वे प्रभा को लेकर जयपुर जाएँगे। वहाँ संसार प्रसिद्ध "जयपुर फुट" लगवाएँगे।

कुछ दिन बाद प्रभा को कृत्रिम टाँग लग गई। वह बहुत प्रसन्न हुई। उसने बैसाखी छोड़ दी। अब वह स्कूल के हर काम में हाथ बँटाने लगी।

जब–जब प्रभा अपनी कृत्रिम टाँगें देखती तब–तब उसे कई बातें याद आती। वह सोचती–उसके जैसे और भी जरूरत वाले हैं लेकिन उनके पास कृत्रिम टाँगें नहीं है। वे भी सपने देखते होंगे। उनके सपने कब सच होंगे ?

प्रभा ने निश्चय किया कि बड़ी होकर वह उनके सपने पूरे करेगी। समय गुजरा। बड़े होने पर प्रभा नगर की प्रसिद्ध डाक्टर बनी। उसे यश भी मिला, धन भी।

उसने इसी उद्देश्य से एक संस्था बनाई। प्रभा अपना पूरा समय उसी संस्था को देने लगी। उसके काम और त्याग को देखकर सैकड़ों लोग जुड़ गए।

अब इस संस्था में दूर–दूर के जरूरतमंद आते। कृत्रिम टाँग लगवाते। सब खुश होकर अपने घर लौटते।

वह सोचती कि अब ये बच्चे दौड़ सकेंगे। खेल सकेंगे। पहाड़ों पर चढ़ सकेंगे। इन्हें जीवन में नई रोशनी मिल गई है। आज उसका सपना सच हो गया।

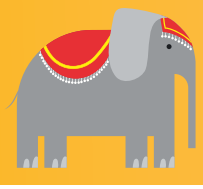

अभ्यास–कार्य

शब्द– अर्थ

आँखें भर आना – आँखों में आँसू आना

बैसाखी – वह लाठी जिसकी मदद से चलते हैं।

कृत्रिम – बनावटी, हाथ से बनाई गई

1. पढ़ें और समझें

कृत्रिम, प्रसिद्ध, बैसाखी, डाक्टर, संस्था, पहाड़, रोशनी, सैकड़ा

2. उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाएँ

1. क्या पढ़ते–पढ़ते प्रभा की आँखें भर आई ?

(क) पत्रिका (ख) किताब

(ग) अखबार (घ) कहानी

2. अखबार में किसका चित्र छपा था ?

(क) कृत्रिम टाँगों का (ख) प्रभा की माँ का

(ग) प्रभा का (घ) प्रभा की सहेली का

3. प्रभा की संस्था का क्या नाम है ?

(क) मानव कृत्रिम संघ (ख) मानव विकलांग सेवा संघ

(ग) मानव सेवा संघ (घ) मानव संघ

3. पाठ में से ऐसे ही शब्द छाँटिए

दूर–दूर ....

....

4. विपरीत अर्थ वाले शब्द से मिलान करें

कमजोर	खड़ा
छोटा	उदास
सीधा	मजबूत
बैठा	बड़ा
खुश	उल्टा

5. नीचे लिखे खेलों को खेलने के लिए कौन–कौन सा सामान चाहिए ?

क्र.सं.	खेल	सामान का नाम
1	किक्रेट	
2	गिल्ली डंडा	
3	फुटबॉल	
4	सतौलिया	
5		
6		
7		

6. प्रभा ने अपनी स्लेट पर कई नाम लिख दिए हैं। ये नाम नीचे दिए गए हैं। इन्हें तालिका में लिखें

शक्कर, कबड्डी, लट्टू, बल्ला, लड्डू, बकरी, बेर, कबूतर, कद्दू, शतरंज, शुतुरमुर्ग, हाथी, दरियाई घोड़ा, हॉकी, लंगूर, दाख, हलवा, दौड़, बास्केट।

अब प्रभा यह सोच रही है कि किस नाम को किस खाने में लिखना है। आपको उसकी मदद करनी चाहिए।

अक्षर	जानवर या पक्षी	खाने–पीने का सामान	खेल का नाम या सामान
ब	बकरी	बेर	बास्केट
क			
श			
ह			
ल			
द			

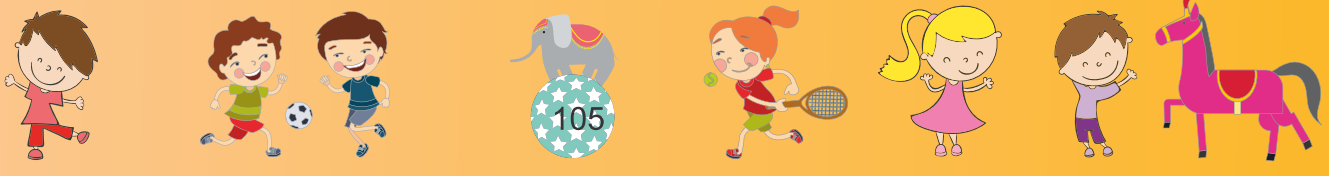

केवल पढ़ने के लिए

उतावलो सो बावलो

एक थी महिला। उसने एक नेवला पाल रखा था। एक दिन वह अपने छोटे बच्चे को सुलाकर पानी लाने गई और नेवले को बच्चे की रखवाली के लिए छोड़ गई। इतने में एक काला नाग वहाँ आया और बच्चे की ओर बढ़ने लगा। नेवला उस पर झपटा और थोड़ी ही देर में उसने साँप को मार डाला।

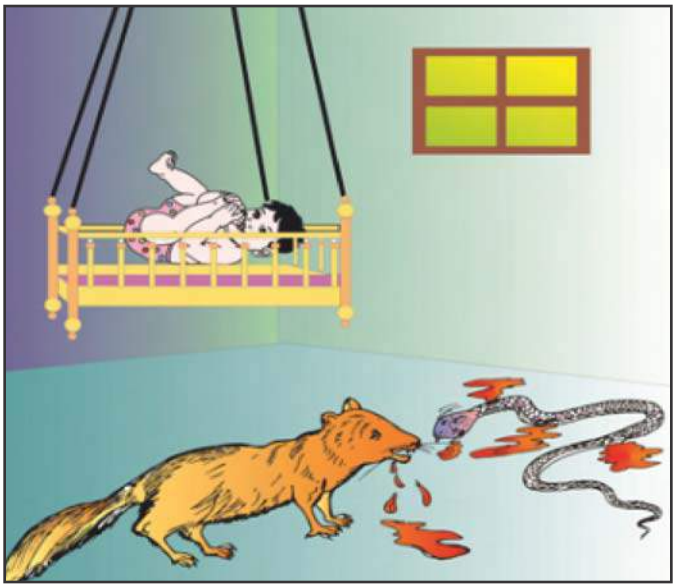

फिर मालकिन को यह सूचना देने के लिए वह बाहर दरवाजे पर आ गया। मालकिन आई और उसने नेवले के मुँह में खून लगा देखा तो उसने समझा कि नेवले ने बच्चे को मार डाला है। उसने क्रोध में आकर पानी का मटका उस पर पटक दिया, जिससे वह वहीं मर गया। अंदर जाकर उसने देखा तो बच्चा सोया हुआ था और पास ही मरा हुआ एक काला नाग पड़ा था। वह सारी बात समझ गई और पछताने लगी लेकिन अब पछताने से क्या हो सकता था?

बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछताय।